Hkkfrd 'kkL= ,o Ñf"k ekSle foKku foHkkx
tokgjyky usg: Ñf"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
d`f"k ekSle lykg lsok,sa
(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. ओम गुप्ता, डी. ई. एस., मृदा एवं जल अभियॉत्रिकी विभाग – डॉ. एम. के. अवस्थी, सस्य विज्ञान डॉ. पी. बी. शर्मा, फल विज्ञान –डॉ. एस. के. पांडे, सब्जी विज्ञान – डॉ. बी. आर. पांडे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आलोक वाशनिकर, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. एल. एस. सेखावत

o"kZ&2020	vad&16	fnukad 29 Qjojh ls 04 ekpZ 2020	fnukad% 28-02-2020

¼ftyk tcyiqj dh fy, tokgjyky usg: Ñf"k fo'ofo|ky; tcyiqj ,o ekSle dsUnz Hkksiky }kjk la;Dr :i ls tkjh½

vkxkeh ikp fnuks dk ekSle iwokZuqeku&

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान मे हल्के बादल रहने एवं हल्की वर्षा होने की संभावना है । हवा 8.8 से 12.4 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 29.0 से 30.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

Ekkleh rRo @fnukad	29/02/2020	01/03/2020	02/03/2020	03/03/2020	04/03/2020
o"kkZ ¼fe-eh-½	0	0	3	0	0
vf/kdre rkieku ¼fM-ls-½	30	30	29	29	30
U;wure rkieku ¼fM-ls-½	15	16	16	15	15
Ckknyksa dh fLFkfr	हल्के	हल्के	मध्यम	हल्के	साफ
vkisf{kr vknzrk ¼lqcg½	59	62	69	66	64
vkisf{kr vknzrk ¼'kke½	25	27	33	31	30
gok dh xfr ¼fd-eh-@?k.Vk½	8.8	9.9	12.4	11.7	9.9
gok dh fn'kk	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम

ekSle vk/kkfjr lkIrkfgd d`f"k ijke'kZ fnukad 29 Qjojh ls 04 ekpZ 2020

lkekU; lykg	• आने वाले पॉच दिनों में पूर्वी मध्यप्रदेश के जिलों में बादल रहने एवं हल्की वर्षा की संभावना है। • तोरिया चना, मसूर, अलसी, बटरी, एवं सरसों के खेतों का निरीक्षण कीट/व्याधि हेतु करते रहें तथा प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु कृषि विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं अथवा कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों से तुरंत संपर्क करें । • ग्रीष्मकालीन मूंग की बुवाई के लिए शिखा एवं पी. डी. एम. 139 प्रजाति के बीज की व्यवस्था करें
xsgaw	• गेहूँ की फसल में क्रांतिक अवस्था (फूल एवं दाना) पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। • देर से बोई गई गेहूँ की फसल में सिंचाई उपरांत आवश्यकतानुसार खड़ी फसल में नत्रजन की पूर्ति करें। • गेहूँ खेत से बिजातीय पौधों को निकालें।
puk	• हल्के बादल होने की वजह से इल्ली का प्रकोप बढ़ सकता हैं। किसान भाई चने की फसल का निरिक्षण करे, चने की इल्ली की संख्या अर्थिक छति सीमा से अधिक पाए जाने पर (दो या दो से अधिक इल्ली प्रति मीटर कतार मे) इसके नियंत्रण हेतु क्विनालफॉस 25 ई0सी0 या प्रोफिनोफास + सायपर दवा की 2 मिली0 मात्रा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। एवं टी आकर की खूटियां (पक्षी आश्रय स्थल) लगा दें।
ljlks	• माहू से बचाव हेतु मेटासिस्टाक्स 2 मि. ली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें तत्पश्चात 15 दिनों के बाद डायमेथियेट 2 मि. ली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें ।
Qynkj o`{k	• आम एवं अमरूद में मिली बग का प्रकोप , आम एवं नीबू मे सुरमकीट कीड़ैं का प्रकोप हो तो रोगर या मेटासिस्टाक 1.5 – 2 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें। • आम में मिली बग कीट की रोकथाम करें। दिन का तापमान ज्यादा होने से बग का प्रकोप बढ़ सकता है। • नीबू जाति के पौधों में कैंकर, डाई–बैक रोग व कीटों की रोकथाम करें। आवश्यकतानुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव करें। • फल वृक्षों में थालों का निर्माण करें । खाद एवं उर्वरक की संतुलित मात्रा का प्रयोग करें।
lfCt;k	• कददूवर्गीय या तर सब्जियों की बुवाई के लिए खेत तैयार करें तैयार नर्सरी को रोपाई करें एवं नई नर्सरी तैयार करें। • ग्रीष्मकालीन भिण्डी, बरवटी, सेम, राजमा, एवं फ्रेन्चबीन आदि की बुवाई करें। • ध्यान रखें बीज को फफूँदनाशक दवा वेविस्टीन या साफ 2 ग्राम प्रतिकिलो की दर से उपचारित कर बुवाई करें ।
Ik'kq ,oa eqxhZ ikyu	• पशुओं में खुरपका–मुहपकाव भेड़ों में फड़किया रोग का टीका लगवाएं। • बरसीम की फसल की चारा हेतू कटाई 20 दिनों के अंतराल पर करें तथा प्रत्येक कटाई के बाद सिंचाई करें।

नोडल आफीसर

दिनांकः 28 फरवरी 2020